



## **MUMBAI PORT TRUST**

### **PORT DEPARTMENT**

### **REVISION OF MUMBAI PORT LIMITS**

(Circular no. DC/C-PR(Port Limits)/5530 dated 20th November 2006)

2

THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY

[PART II, Sec. 3(i)]

में एक बिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश  $18^{\circ} 47.7'$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 45.4'$  पूर्व में एक बिन्दु तक और कन्होजी एंग्रे द्वीप के पश्चिमी बिन्दु पर सीमा-स्तंभ तक कायम तथा वहाँ से उपर्युक्त द्वीप के पश्चिमी तट से उसके दक्षिणी बिन्दु पर सीमा-स्तंभ तक ।

**दक्षिण में :-**

उन्दरी के दक्षिण बिन्दु से होकर कुन्दरी (केनरी) के दक्षिणी बिन्दु पर सीमा-स्तंभ से नवगाम (नवेदार नवगाँव) नामक गाँव के दक्षिण में मुख्य भूमि पर सीमा-स्तंभ तक खींची गई रेखा ।

**पूर्व में :-**

नवगाम (नवेदार नवगाँव) नामक गाँव के दक्षिण में अवस्थित सीमा-स्तंभ, मुख्य भूमि के पश्चिमी और उत्तरी तट से थल नौब संकेतक के उत्तर-पूर्वी सीमा-स्तंभ तक, वहाँ से धरमतर नाम की सैंकरी खाड़ी के पार करंजा द्वीप के दक्षिणी छोर पर सीमा-स्तंभ तक, वहाँ से करंजा द्वीप के पश्चिमी तट से उपर्युक्त द्वीप के सर्वाधिक उत्तरी बिन्दु पर सीमा-स्तंभ तक, वहाँ से करंजा द्वीप के उत्तरी बिन्दु पर अवस्थित सीमा-स्तंभ से एक रेखा के साथ-साथ 1550 मीटर पर हॉग द्वीप के उत्तर-पश्चिमी बिन्दु पर सीमा-स्तंभ तक, वहाँ से उरन के पंक-मैदानों के पार एक रेखा से लगभग अक्षांश  $18^{\circ} 53' - 54''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 56' - 30''$  पूर्व में स्थान तक, वहाँ से करंजा द्वीप के उत्तरी तट पर अक्षांश  $18^{\circ} 55' - 23''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 55' - 30''$  पूर्व में एक बिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश  $18^{\circ} 54' - 40''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 55' - 23''$  पूर्व में एक बिन्दु तक और वहाँ से अक्षांश  $18^{\circ} 55' - 47''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 53' - 30''$  पूर्व (पश्चिमी उरन बोया) में एक बिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश  $18^{\circ} 56' - 25''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 54' - 40''$  पूर्व में एक बिन्दु तक और वहाँ से अक्षांश  $18^{\circ} 56' - 45''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 54' - 50''$  पूर्व में एक बिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश  $18^{\circ} 57' - 5''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 56' - 8''$  पूर्व में एक बिन्दु तक, वहाँ से एलिफेंटा द्वीप के दक्षिणी और पूर्वी तटों के साथ-साथ अक्षांश  $18^{\circ} 58' - 25''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 56' - 18''$  पूर्व में एक बिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश  $19^{\circ} - 0' - 50''$  उत्तर, देशान्तर  $72^{\circ} 53' - 17''$  पूर्व में एक बिन्दु तक, वहाँ से धागे की सैंकरी खाड़ी के पार से ट्रॉम्बे के निकट और दक्षिण-पश्चिम में सीमा-स्तंभ तक ।

उपर्युक्त पत्तन की सीमाओं में प्रिन्सेस और विक्टोरिया तथा इन्दिरा गोदियों तथा उपर्युक्त गोदियों के किसी विस्तार के अंतर्गत सामान्यतः जल-क्षेत्र में आने वाला सम्पूर्ण जल-क्षेत्र और थल शामिल है ।

**टिप्पणी :** "तट" शब्द का अभिप्राय, भारतीय पत्तन-अधिनियम, 1908 की धारा 4 की उपधारा (4) में यथा परिभाषित उच्चतम जल-स्तरांक अर्थात् वर्ष के किसी भी मौसम में साधारण बृहत् ज्वार द्वारा प्रभावित उच्चतम जल-स्तर-बिन्दु है ।

[फा. नं. पो आर-23011/2/2005-पॉर्जे]  
अजय कुमार भल्ला, संयुक्त सचिव